breakthrough

लिंग भेद व लिंग चयन के ख़िलाफ़ ब्रेकथ्रू का अभियान 'मिशन हज़ार'
अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने ब्रेकथ्रू के मिशन हजार अभियान को दिया अपना समर्थन

महिलाओं और लड़कियों के लिए दुनिया को सुरक्षित बनाने के लिए समान लिंगानुपात पर ज़ोर दिया

रोहतक, 28 दिसम्बर 2015: ब्रेकथ्रू के मिशन हजार अभियान के तहत महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव के मुद्दों पर संबोधित करने और अपना बहुमूल्य समर्थन देने के लिए अभिनेत्री हुमा कुरैशी आज रोहतक पहुँचीं। वे भारतीय सिनेमा में समीक्षकों द्वारा सराही गई भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। ब्रेकथ्रू का यह अभियान लिंग भेद व लिंग चयन के ख़िलाफ़ हरियाणा के चार जिलो पानीपत,सोनीपत,रोहतक और झज्जर में चलाया जा रहा है, इसके तहत महिलाओं की सुरक्षा और उनके स्वतंत्र रूप से कहीं आने जाने पर प्रतिबन्ध के मुद्दों को भी उठाया जा रहा है।
बीते एक महीने में मिशन हजार से समुदायों को जोड़ने के लिए सार्वजनिक सेवा के विज्ञापनों के साथ सुसज्जित वीडियो वैन चलाकर, साथ ही लड़कियों की कम संख्या और उनके सुरक्षा के मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक पानीपत, सोनीपत, रोहतक और झज्जर जिलों के कोने-कोने में अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन विशेष तौर पर हरियाणा सरकार के महिला एवं बाल कल्याण के सहयोग ने इस अभियान के कदमों को मजबूती प्रदान की।

हरियाणा में असमान लिंगानुपात पर आम लोगों का ध्यान खींचते हुए प्रसिद्ध अभिनेत्री हुमा क़ुरैशी ने लिंग भेद व लिंग चयन के ख़िलाफ़ मिशन हज़ार अभियान में शामिल होने की अपील की।उन्होंने कहा कि हमें यह देख कर ख़ुशी हो रही है कि समान और सुरक्षित समाज के समर्थन के लिए आप और आप जैसे बहुत से लोग किस तरह से सामने आए हैं।
ब्रेकथ्रू की यह शानदार पहल इन मूल्यों को स्थापित करती है कि जितनी अधिक औरतें होंगीं यह दुनिया हर किसी के लिए उतनी ही बेहतर होगी ।

अभियान के प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके माध्यम से हम हरियाणा के एक लाख तीस हजार लोगों तक सीधे लिंग भेद व लिंग चयन के मुद्दे पर जुड़ें जिसमें स्कूल कॉलेज के युवक,युवतियाँ ,शिक्षक,हेल्थ वर्कर,आंगनवाडी आदि शामिल रहे,उन लोगों के बीच हम इस मुद्दे पर बहस छेड़ने में सफल रहे। कई जगह नुक्कड़ नाटक को देखने के बाद कई लोगों ने पूछा कि लड़कियों के जन्म पर उत्सव क्यों नहीं मनाया जाता? उन्हें आगे बढ़ने का अवसर क्यों नही दिया जाता जिससे वो भी समाज और देश निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

इस मौके पर मौजूद ब्रेकथ्रू की कंट्री डायरेक्टर और वाइस प्रेसिडेंट सोनाली खान ने कहा कि "मिशन हजार का उद्देश्य समुदायों के लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है जिससे वे अपने बीच से गुम हो रही लड़कियों और महिलाओं के महत्व को समझ सकें। इस अभियान के जरिये हम लोगों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि समाज में ज्यादा लड़कियों की संख्या, इस दुनिया को सभी के लिए एक सुरक्षित जगह बनाएगी। "
हम कह सकते है कि जितनी ज़्यादा औरतें होगी यह दुनिया उनके लिए और भी बेहतर होगी।
वर्ष 2014 के अंत में ब्रेकथ्रू ने 10000 युवाओं और छात्रों के बीच एक सर्वेक्षण किया था, जिसके अनुसार 90 फीसदी माँ-बाप बेटियों से ज्यादा अपने बेटों को चाहते हैं; आधे से अधिक छात्रों ने बताया कि वे अपने परिवार और कक्षाओं में लड़कियों की अपेक्षा लड़को की

संख्या अधिक देखते हैं। लगभग 70 फीसदी छात्रों ने माना कि सार्वजनिक स्थानों पर भी वे पुरुषों की संख्या अधिक पाते हैं, जबकि 66 प्रतिशत ने बताया कि वे अन्धेरा होने के बाद महिलाओं को घरों से बाहर निकलते नहीं देखते।
इसके अलावा ब्रेकथ्रू के इस शोध से यह भी सामने आया है कि लिंग भेद व लिंग चयन की वजह से महिलाओं के प्रति हिंसा को बढ़ावा मिलता है। लड़कियों और महिलाओं की कम संख्या की वजह से उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर यौन हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं होती हैं।इसकी वजह से माता-पिता और समुदाय में बेटियां न चाहने का बहाना मिलेगा।

अभियान का उद्देश्य समाज में लगातार कम हो रही महिलाओं और लड़कियों की संख्या से समाज में पैदा होने वाली समस्याओं को मुद्दा बनाकर समुदायों का ध्यान आकर्षित करना है, साथ ही समुदायों को इस जिम्मेदारी का एहसास भी कराना भी है कि इस समस्या से निपटना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। यह अभियान बदलाव के इन सिद्धांतों पर काम कर रहा है कि अगर समुदायों को लिंग भेद व लिंग चयन के खतरों का एहसास हो जाए तो वे महिलाओं और लड़कियों के गुम होने के कारणों के लिए समाज के प्रमुख हितधारक भी माने और समझे कि यह उनकी ज़िम्मेदारी है साथ ही यह भी संभावना है कि समुदाय के लोग खुद ही लिंग भेद व लिंग चयन के ख़िलाफ़ अपने-आपको चुनौती देने लगें।